ग्लोबल पॉवर्टी एंड क्लाइमेट हार्डशिप रिपोर्ट 2025

यूपीएससी प्रासंगिकता:

- **मेन्स : जीएस पेपर-3, गरीबी**

ख़बरों में क्यों

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (**UNDP**) और ऑक्सफ़ोर्ड पॉवर्टी एंड ह्यूमन डेवलपमेंट इनिशिएटिव (**OPHI**) ने संयुक्त रूप से **"ओवरलैपिंग हार्डशिप्स: पॉवर्टी एंड क्लाइमेट हैज़ार्ड्स"** शीर्षक से **ग्लोबल पॉवर्टी एंड क्लाइमेट हार्डशिप रिपोर्ट 2025** जारी की है।[1] यह रिपोर्ट इस बात पर प्रकाश डालती है कि कैसे जलवायु परिवर्तन और गरीबी तेजी से आपस में जुड़ते जा रहे हैं, जिससे विकासशील देशों के लिए एक दोहरी चुनौती पैदा हो रही है।

पृष्ठभूमि: ग्लोबल मल्टीडाइमेंशनल पॉवर्टी इंडेक्स (MPI)

ग्लोबल मल्टीडाइमेंशनल पॉवर्टी इंडेक्स (**MPI**) गरीबी का एक व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है, जो आय से परे जाकर स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर में गंभीर अभावों को मापता है।

- **जारीकर्ता:** संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (**UNDP**) और ऑक्सफ़ोर्ड पॉवर्टी एंड ह्यूमन डेवलपमेंट इनिशिएटिव (**OPHI**) द्वारा **2010** से प्रतिवर्ष जारी किया जाता है।
- **कार्यप्रणाली:** यह **3 आयामों** और **10 संकेतकों** पर आधारित है।

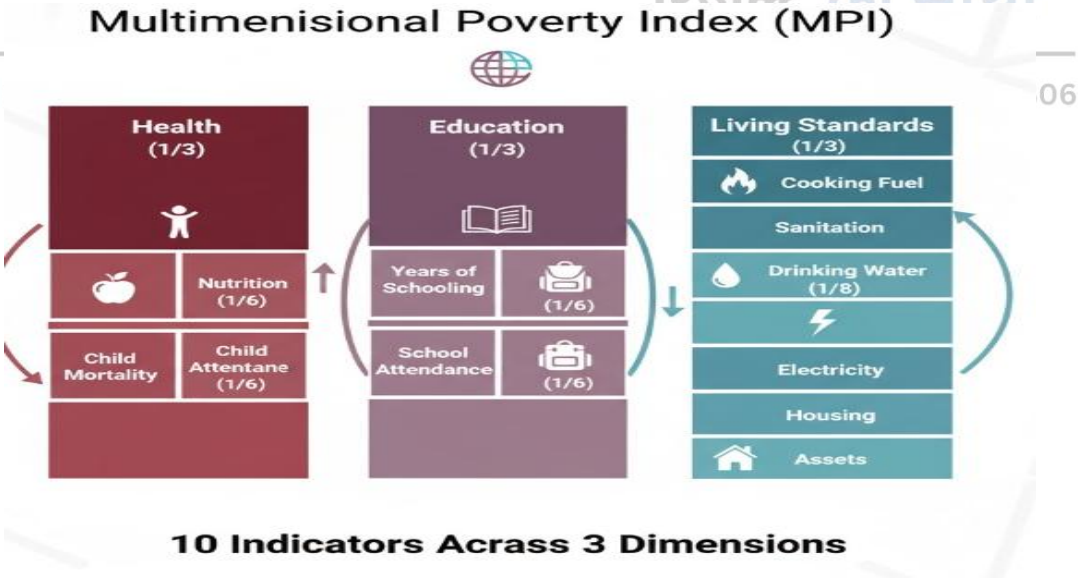

प्रमुख संकेतकों के मापदंड

MPI एक परिवार को "गरीब" तब मानता है, जब वह भारित संकेतकों में से **कम से कम एक-तिहाई** में अभावग्रस्त होता है।

1. स्वास्थ्य (2 संकेतक)

संकेतक	अभाव को इस प्रकार परिभाषित किया गया है...
पोषण (Nutrition)	परिवार में **70 वर्ष से कम आयु** का कोई भी व्यक्ति जिसके पोषण संबंधी जानकारी उपलब्ध है, **कुपोषित** माना जाता है।
बाल मृत्यु दर (Child Mortality)	सर्वेक्षण से पहले के **पाँच वर्षों** की अवधि में परिवार में **18 वर्ष से कम आयु** के किसी बच्चे की **मृत्यु** हुई हो।

2. शिक्षा (2 संकेतक)

संकेतक	अभाव को इस प्रकार परिभाषित किया गया है...
स्कूलिंग के वर्ष (Years of Schooling)	परिवार के किसी भी पात्र सदस्य ने **छह वर्ष** की स्कूली शिक्षा पूरी नहीं की है।
स्कूल में उपस्थिति (School Attendance)	कोई भी स्कूली उम्र का बच्चा (**कक्षा 8** पूरी करने की उम्र तक) **स्कूल नहीं जा रहा** हो।

3. जीवन स्तर (6 संकेतक)

इस आयाम में अभाव को बुनियादी सेवाओं और संपत्तियों की कमी से परिभाषित किया जाता है, जिनमें शामिल हैं:

- स्वच्छ ऊर्जा तक पहुँच (जैसे, खाना पकाने का ईंधन)
- स्वच्छता (**Sanitation**)
- पीने का पानी (**Drinking Water**)
- बिजली (**Electricity**)
- आवास (**Housing**)
- संपत्ति (**Assets**)

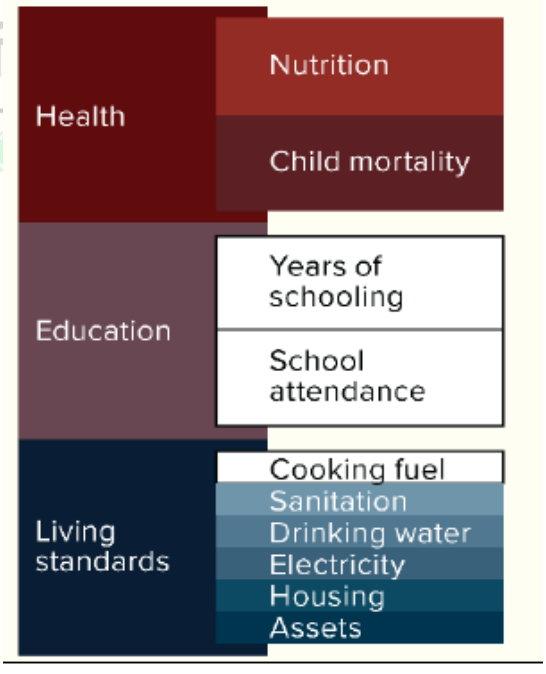

2025 की रिपोर्ट के वैश्विक मुख्य बिंदु

- **व्यापक अभाव:** यह रिपोर्ट 109 देशों को कवर करती है, जिसमें पाया गया कि **1.1 बिलियन लोग (18.3%)** अत्यधिक बहुआयामी गरीबी में रहते हैं, जो दर्शाता है कि COVID-19 से वैश्विक सुधार अभी भी अपूर्ण है।

- **गहन असमानता:** लगभग **43.6% (501 मिलियन)** गरीब लोग गंभीर गरीबी का सामना कर रहे हैं— जो MPI संकेतकों में से कम से कम आधे में अभावग्रस्त हैं।

- **बच्चे सबसे अधिक प्रभावित:** हालाँकि बच्चे वैश्विक आबादी का 33.6% हैं, लेकिन वे बहुआयामी गरीबों का **51%** प्रतिनिधित्व करते हैं, जो **अंतर-पीढ़ीगत अभाव** को दर्शाता है।

- **मध्य-आय वाले देशों में छिपी गरीबी:** लगभग **740 मिलियन** गरीब लोग मध्य-आय वाले देशों में रहते हैं, यह दर्शाता है कि राष्ट्रीय आय का स्तर अक्सर गहरी असमानताओं को छुपाता है।

- **क्षेत्रीय हॉटस्पॉट:** **उप-सहारा अफ्रीका** और **दक्षिण एशिया** मिलकर दुनिया के 83% गरीबों का आवास हैं, जिसमें उप-सहारा अफ्रीका अकेले लगभग आधे गरीबों का घर है।

- **ग्रामीण प्रभुत्व:** **83.5%** गरीब **ग्रामीण क्षेत्रों** में रहते हैं, जो बुनियादी ढाँचे, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा तक पहुँच में अंतर को रेखांकित करता है।

- **गरीबी-जलवायु संबंध:** दुनिया के लगभग **80%** गरीब ऐसे क्षेत्रों में रहते हैं जहाँ बाढ़, सूखा और अत्यधिक गर्मी जैसे जलवायु खतरों का सामना करना पड़ता है, जिससे एक **"गरीबी-जलवायु जाल"** पैदा होता है।

- **महामारी के बाद धीमी प्रगति:** मुद्रास्फीति, संघर्षों और जलवायु झटकों के कारण कई देशों में गरीबी उन्मूलन में **स्थिरता या गिरावट** देखी गई है।

2025 की रिपोर्ट में भारत का प्रदर्शन

- **गरीबी में भारी कमी:** भारत ने बहुआयामी गरीबी को 55.1% (2005–06) से घटाकर **16.4%** **(2019–21)** कर दिया है, जिससे **414 मिलियन** से अधिक लोगों को अभाव से बाहर निकाला गया है— यह वैश्विक स्तर पर सबसे तेज़ कटौती में से एक है।

- **लगातार बाल गरीबी:** इस प्रगति के बावजूद, **बच्चों में कुपोषण, स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन की कमी, और अपर्याप्त आवास** प्रमुख मुद्दे बने हुए हैं।

- **उच्च जलवायु भेद्यता (Vulnerability):** भारत के लगभग **99%** गरीब जलवायु-संवेदनशील क्षेत्रों में रहते हैं, जो नियमित रूप से लू, बाढ़ और प्रदूषण का सामना करते हैं, जिससे गरीबी उन्मूलन सीधे **जलवायु लचीलेपन** से जुड़ता है।

- **कल्याणकारी योजनाओं का प्रभाव:** भारत की सफलता **स्वच्छ भारत मिशन, पीएम-आवास योजना, उज्ज्वला योजना और जल जीवन मिशन** जैसी प्रमुख योजनाओं से जुड़ी हुई है, जो कई अभाव क्षेत्रों को लक्षित करती हैं।

प्रमुख चुनौतियाँ

- **ग्रामीण-शहरी विभाजन:** **83% से अधिक** गरीब **ग्रामीण क्षेत्रों** में रहते हैं, जहाँ स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और कनेक्टिविटी कमजोर बनी हुई है।

- **जलवायु-प्रेरित नुकसान:** बार-बार सूखा, बाढ़ और फसल खराब होने से आजीविका को खतरा होता है, खासकर कृषि पर निर्भर क्षेत्रों में।
- **अप्रचलित डेटा सिस्टम:** वास्तविक समय के घरेलू डेटा की कमी प्रभावी नीति मूल्यांकन और SDG ट्रैकिंग को सीमित करती है।
- **लिंग और बाल अंतराल:** महिलाएँ और बच्चे पोषण, शिक्षा और रोज़गार में उच्च अभाव का सामना करना जारी रखे हुए हैं।
- **सीमित राज्य संसाधन:** कई राज्य बजट और राजकोषीय सीमाओं का सामना करते हैं, जिससे गरीबी और जलवायु अनुकूलन कार्यक्रमों में प्रगति धीमी हो जाती है।

IAS-PCS Institute

Figure 1 Middle-income countries have high shares of people in poverty across regions and types of deprivation

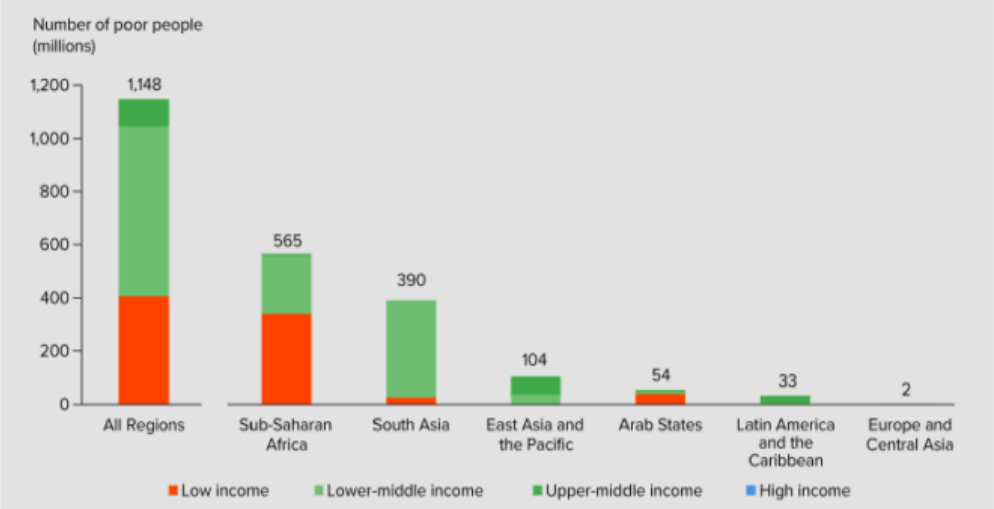

www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

नीतिगत सिफारिशें

- **जलवायु और गरीबी रणनीतियों का संयोजन:** गरीबी और पर्यावरणीय जोखिमों को एक साथ संबोधित करने के लिए **जलवायु-लचीला सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों** को लागू करें।
- **स्थानीय डेटा प्रणालियों को मज़बूत करें:** वास्तविक समय की ट्रैकिंग और लक्षित कल्याण नियोजन के लिए **ज़िला-स्तरीय MPI डैशबोर्ड** बनाएँ।
- **हरित आजीविका का विस्तार करें:** नवीकरणीय ऊर्जा, टिकाऊ कृषि और अपशिष्ट पुनर्चक्रण में रोज़गार को बढ़ावा दें, **विकास को स्थिरता से जोड़ें।**
- **वैश्विक सहयोग बढ़ाएँ:** गरीबी और जलवायु तनाव दोनों का सामना कर रहे विकासशील देशों के लिए जलवायु वित्त और रियायती समर्थन सुनिश्चित करें।
- **महिलाओं और बच्चों पर ध्यान केंद्रित करें:** समावेशी और अंतर-पीढ़ीगत गरीबी उन्मूलन के लिए पोषण, शिक्षा, स्वच्छ ईंधन और मातृ स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें।

निष्कर्ष

ग्लोबल पॉवर्टी एंड क्लाइमेट हार्डशिप रिपोर्ट 2025 स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि गरीबी और जलवायु परिवर्तन अब अविभाज्य चुनौतियाँ हैं।

भारत की तीव्र प्रगति आशा प्रदान करती है, फिर भी जलवायु भेद्यता कड़ी मेहनत से हासिल किए गए लाभों को खतरे में डालती है। भविष्य की रणनीतियों को सामाजिक न्याय को पर्यावरणीय स्थिरता के साथ एकीकृत करना चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि वैश्विक विकास समावेशी, जलवायु-लचीला और न्यायसंगत बना रहे—वास्तव में किसी को पीछे न छोड़ें।

UPSC प्रारंभिक परीक्षा अभ्यास प्रश्न (Prelims Practice Questions)

प्रश्न 1: ग्लोबल मल्टीडाइमेंशनल पॉवर्टी इंडेक्स (MPI) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह क्रय शक्ति समता (PPP) के लिए समायोजित आय स्तरों के आधार पर गरीबी को मापता है।
2. यह संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) और ऑक्सफ़ोर्ड पॉवर्टी एंड ह्यूमन डेवलपमेंट इनिशिएटिव (OPHI) द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित किया जाता है।
3. MPI स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर में अभावों को दर्शाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

विकल्प:

A. केवल 1
B. केवल 2 और 3
C. केवल 1 और 3
D. 1, 2 और 3

सही उत्तर: B. केवल 2 और 3

व्याख्या:

- कथन 1 गलत है। MPI आय आधारित नहीं है, बल्कि गरीबी के गैर-आय आयामों—स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर—को मापता है।
- कथन 2 सही है। MPI को संयुक्त रूप से UNDP और OPHI द्वारा प्रकाशित किया जाता है।
- कथन 3 सही है। यह तीन मुख्य आयामों—स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर—में अभाव को मापता है।

OPHI
Oxford Poverty & Human Development Initiative
UNIVERSITY OF OXFORD

UNDP
Empowered lives.
Resilient nations.

प्रश्न 2: ग्लोबल पॉवर्टी एंड क्लाइमेट हार्डशिप रिपोर्ट 2025 के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

1. लगभग पाँच में से चार गरीब लोग कम से कम एक जलवायु खतरे के संपर्क में आने वाले क्षेत्रों में रहते हैं।
2. दुनिया के आधे से अधिक बहुआयामी गरीब मध्य-आय वाले देशों में रहते हैं।
3. उप-सहारा अफ्रीका और दक्षिण एशिया मिलकर वैश्विक गरीबी के 80% से अधिक के लिए जिम्मेदार हैं।

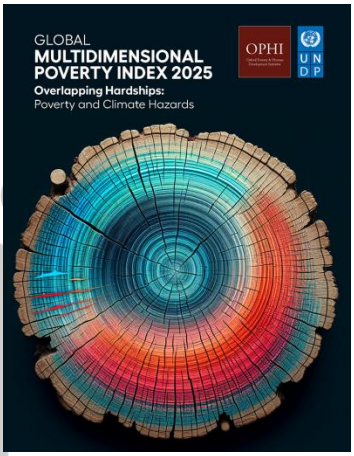

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

A. केवल 1 और 2
B. केवल 1 और 3
C. केवल 2 और 3
D. 1, 2 और 3

सही उत्तर:

D. 1, 2 और 3

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है।** रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 80% वैश्विक गरीब बाढ़, सूखा और अत्यधिक गर्मी जैसे जलवायु जोखिमों का सामना करते हैं।
- **कथन 2 सही है।** लगभग 740 मिलियन गरीब लोग मध्य-आय वाले देशों में रहते हैं, जो वैश्विक गरीबों का लगभग आधा हिस्सा है।
- **कथन 3 सही है।** उप-सहारा अफ्रीका और दक्षिण एशिया मिलकर वैश्विक गरीबी का 83% हिस्सा हैं, जो क्षेत्रीय संकेंद्रण को दर्शाता है।

यूपीएससी मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. "गरीबी को अब केवल आय की कमी से नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर में ओवरलैपिंग (अतिव्यापी) अभावों से परिभाषित किया जाता है।" ग्लोबल पॉवर्टी एंड क्लाइमेट हार्डशिप रिपोर्ट 2025 के निष्कर्षों के संदर्भ में चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दें)